रथयात्रा | भक्ति में सराबोर हुई ऐतिहासिक रथयात्रा

जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजी संस्कारधानी, श्रद्धालु झूमते नजर आए

नवभारत, जबलपुर। शहर में गुरुवार शाम बंगाली समाज की भव्य श्री जगन्नाथ रथयात्रा श्रद्धा, आस्था और उल्लास के वातावरण में निकली। सिटी बंगाली क्लब स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से जैसे ही भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा सुसज्जित रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिए निकले, वैसे ही पूरा मार्ग 'जय जगन्नाथ' के जयघोष से गूंज उठा। हरिनाम संकीर्तन, खोल, मृदंग, शंख और कासोर की मधुर ध्वनि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु झूमते नजर आए। पीले परिधानों में शामिल महिला-पुरुषों ने भक्ति और एकता का मनोहारी दृश्य प्रस्तुत किया, वहीं पूरे मार्ग में श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर भाव-विभोर होते दिखाई दिए।

जगह जगह हुई पुष्प वर्षा

रथयात्रा जैसे-जैसे शहर के प्रमुख मार्गों से आगे बढ़ती गई, श्रद्धालुओं का उत्साह भी बढ़ता गया। जगह-जगह भगवान की आरती उतारी गई, पुष्पवर्षा की गई और भक्तों ने हाथ जोड़कर प्रभु का आशीर्वाद लिया। आकर्षक विद्युत सज्जा से सुसज्जित रथ लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। संपूर्ण वातावरण भक्ति के रंग में रंगा नजर आया और श्रद्धालु हरिनाम संकीर्तन के साथ नृत्य करते हुए भगवान श्री जगन्नाथ के जयकारे लगाते रहे।

गुंडिया मंदिर पहुंची यात्रा

रथयात्रा मालवीय चौक, सुपर मार्केट, गंजीपुरा, लार्डगंज, घमंडी चौक, बड़ा फुहारा, अंधेरदेव और तुलाराम चौक सहित विभिन्न मार्गों से होती हुई मौसी माँ के घर (गुंडिचा मंदिर) पहुंची। यात्रा के समापन पर हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी रथयात्रा में शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का ऐसा अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने शहर को पूरी तरह भगवान श्री जगन्नाथ की भक्ति में सराबोर कर दिया।

पुरी जैसा लग रहा था बड़ा फुहारा

बड़ा फुहारा पर खुन्नेलाल एंड कंपनी के सामने वर्ष 1984 से जारी परंपरा के तहत 11 रथों का भव्य स्वागत और 5 महाआरतियां की गईं, जिसके बाद संतों द्वारा स्वर्णमयी झाड़ू से रास्ता बुहारने पर पूरा दृश्य पुरी जैसा नजर आया। रथ यात्रा स्वागत समिति के अध्यक्ष डॉ. सुधीर अग्रवाल के अनुसार, यह यात्रा जगद्गुरु नरसिंह दास महाराज, जगद्गुरु राजारामाचार्य महाराज, स्वामी पगलानंद महाराज, स्वामी चंद्रशेखरनंद महाराज, राम शरण महाराज, प. रोहित दुबे, अनूप देव महाराज, योगी महंत राजेश दास महाराज और भागवताचार्य योगेंद्र महाराज की अगुवाई में निकली। इसमें जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक, साहू समाज हनुमानताल और विट्ठल रघुराई मंदिर सहित कई मंदिरों के रथ, बैंड-बाजे, दुलदुल घोड़ी व झांकियां शामिल रहीं। इस मौके पर शरद अग्रवाल द्वारा भक्तों को खिचड़ी का महाभोग और मीठा भात वितरित किया गया।

यात्रा का नगर भ्रमण

प्राचीन परंपरा के अनुसार नगर के विभिन्न मंदिरों से भगवान जगन्नाथ स्वामी, बहन सुभद्रा एवं बलदाऊ भैया के साथ अपने-अपने रथों में विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकले। इस दौरान रथ यात्रा संयोजक शरद काबरा और सुधीर अग्रवाल ने बताया कि सभी जगन्नाथ मंदिरों के रथ बड़े फुहारा पर एकत्र हुए, जहां दोपहर 4 बजे डॉ. स्वामी नरसिंह दास महाराज, दादा स्वामी पगलानंद, जगतगुरु राजारामाचार्य, रोहित दुबे, अनूपदेव, रामजी शरण और योगेंद्र महाराज सहित प्रमुख संतों द्वारा सामूहिक पूजन, स्वर्ण झाड़ू से मार्ग बुहारने तथा महाआरती के बाद यात्रा आगे बढ़ी। यह भव्य रथ यात्रा कमानिया गेट, सराफा चौक और सिटी कोतवाली होते हुए मिलोनीगंज चौराहे से अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई। इस धार्मिक समागम में जगन्नाथ स्वामी कर्मा बाई शंकर मंदिर ट्रस्ट धमंडी चौक, जगन्नाथ स्वामी मंदिर हनुमानताल, जगन्नाथ स्वामी मंदिर सूजी मोहल्ला, बलभद्र जगन्नाथ युवा मंडल सुभाष टॉकीज, और जगन्नाथ स्वामी मंदिर आईटीआई के रथ व श्रद्धालु शामिल रहे। ज्ञानेंद्र सिंह बघेल और मुकेश साहू के अनुसार, जगदीश मंदिर की यात्रा प्रांगण से ठीक 1 बजे और मुख्य रथयात्रा 2 बजे गढ़ा फाटक से शुरू हुई थी। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर भक्तों द्वारा भगवान का पूजन-आरती कर भात का प्रसाद वितरित किया गया, जिसके बाद सभी रथ अपनी मौसी के निर्धारित स्थानों, जिनमें कटरा वाले हनुमान मंदिर मिलोनीगंज, बड़ी खेरमाई मंदिर और शिवराम मंदिर दीक्षितपुरा शामिल हैं, पर पहुंचे जहां से कुछ दिनों बाद भगवान की वापसी मूल मंदिरों में होगी।

136 वर्षों से अनवरत जारी है ऐतिहासिक रथयात्रा

साहू समाज द्वारा संचालित जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट द्वारा वर्ष 1890 से यह यात्रा लगातार निकाली जा रही है। गढ़ाफाटक स्थित साहू धर्मशाला से शुरू होकर यह यात्रा चरहाई, बड़ा फुहारा, कमानिया गेट और हनुमानताल होते हुए बड़ी खेरमाई मंदिर पहुंची। मंदिर में स्थापित भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की काष्ठ प्रतिमाएं उसी लकड़ी से बनी हैं, जिससे जगन्नाथ पुरी की प्रतिमाएं निर्मित हैं। इस परंपरा की शुरुआत वीरनलाल चौधरी, नारायण प्रसाद मेहते और बाबूलाल साहू सहित अन्य पूर्वजों ने की थी, जिसे वर्तमान में मुकेश कुमार साहू, राजेंद्र साहू और श्रीकान्त साहू सहित नई पीढ़ी आगे बढ़ा रही है।

मौसी के घर 12 दिनों तक मेहमानी करेंगे भगवान

जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर भगवान जगन्नाथ अपने भाई-बहन के साथ बड़ी खेरमाई स्थित सिंहवाहिनी मंदिर में अपनी मौसी के घर 12 दिनों तक मेहमानी करेंगे। कोठिया श्रीकान्त साहू ने बताया कि सिंहवाहिनी मंदिर को भगवान की मौसी का घर माना गया है, जहां भगवान विराजित रहेंगे। इसके बाद गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 29 जुलाई को भगवान की वापसी रथयात्रा निकाली जाएगी। इस भव्य आयोजन में सांसद आशीष दुबे, विधायक लखन घनघोरिया, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, पूर्व महापौर प्रभात साहू और रविकिरण साहू सहित भारी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

इनका कहना है

भगवान जगन्नाथ सभी भक्तों पर अपनी कृपा बनाए रखें। रथ यात्रा का पर्व हम सभी के लिए खास है। इस दिन हम सभी को प्रभु के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होता है।

सुब्रत पॉल

भगवान जगन्नाथ की महिमा ही निराली है। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए थे। रथयात्रा का पर्व मेरे लिए हमेशा से ही खास रहा है।

नीलेंद्र चैटर्जी

एक नजर में

रामचरित मानस यज्ञ की पूर्ण आहुति आज, कल होगा हवन

नवभारत, जबलपुर। गोकलपुर पंचायती कुआं स्थित हनुमान मंदिर में 108 दिवसीय रामचरित मानस यज्ञ का समापन आज 17 जुलाई को होगा, जिसके मुख्य अतिथि संस्कारधानी जबलपुर के पूज्य पागला नंद महाराज का आगमन गुरुवार को हो गया है और वह शाम की महाआरती के मुख्य यजमान होंगे। इसके बाद कल 18 जुलाई को यज्ञ की पूर्ण आहुति के पश्चात हवन आयोजित होगा और 19 जुलाई को विशाल भंडारा वितरण किया जाएगा। इस मौके पर मंदिर संचालन समिति के शिव प्रसाद यादव, प्रमोद शुक्ला, हर प्रसाद पटेल और महिला विंग की प्रेम दीदी व दिवाली यादव ने बताया कि मंदिर के भव्य निर्माण के लिए तन, मन, धन से दान देकर 108 दिवसीय मानस पाठ करने वाली केसरिया वस्त्रधारी लगभग 2000 दानदाता माताएं-बहनें भी इस पूर्ण आहुति में शामिल रहेंगी। आज संस्कारधानी के अन्य पूज्य महंतों, प्रतिष्ठाचार्यों एवं स्थानीय 11 पुरोहितों द्वारा 18 जुलाई को होने वाले 24 घंटे के अखंड पूर्ण आहुति हवन की तैयारियां की जा रही हैं और उपस्थित जनमानस के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं। कार्यक्रम आयोजन समिति के मनोज पटेल, गोपाल सोनी, अनूप दुबे, गोविंद यादव, अमित गुप्ता, मोहन रघुवंशी, अशोक यादव और ईश्वर रैकवार ने सभी श्रद्धालुओं से आने की अपील की है।

मशीन वाले बाबा का 30वां उर्स 19 को

नवभारत, जबलपुर। मशीन वाले बाबा का 30वां सालाना उर्स रविवार, 19 जुलाई को मनाया जाएगा। तय कार्यक्रम की शुरुआत असर और मगरिब की नमाज के बीच मजारे अकदस पर पारंपरिक चादर पोशी के साथ होगी, जिसके तुरंत बाद वहां तबररुक बांटा जाएगा। इसी क्रम में रात 10 बजे से महफिले मीलाद पाक सजेगी, जबकि अगले दिन फज्र की नमाज के उपरांत कुल शरीफ की फातिहा पढ़ी जाएगी और अंत में पुनः सभी जायरीनों को तबररुक वितरित किया जाएगा।

बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल के स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर

नवभारत, जबलपुर। दमोह नाका स्थित बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल ने अपनी स्थापना के 19 वर्ष पूरे कर 20वें वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में गुरुवार को एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें रक्तदाताओं का पुष्पगुच्छ, प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिन्ह देकर सम्मान किया गया। अस्पताल के डायरेक्टर राजीव बड़ेरिया ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से कर रहा है और इसका उद्देश्य मरीजों के उपचार के साथ समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस दौरान अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

वरिष्ठ चिकित्सकों ने दी जानकारी

इस अवसर पर अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. शैलेंद्र सिंह राजपूत, डॉ. राजेश पटेल, डॉ. अजय सेठ, डॉ. के के वर्मा, डॉ. जीतेन्द्र परियानी, डॉ. महेश शर्मा, डॉ. प्राची शर्मा, डॉ. श्रद्धा, राजीव सावंत, डॉ. राहुल चतुर्वेदी, डॉ. अरविन्द जैन, डॉ. प्रियंक दुबे, डॉ. शरद जैन और जबलपुर ब्लड बैंक ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इससे कोई कमजोरी नहीं होती बल्कि शरीर को नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि नियमित रक्तदान से नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है जो स्वास्थ्य के लिए गुणकारी है। चिकित्सकों ने नागरिकों से समय-समय पर रक्तदान करने का आग्रह करते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त तीन जरूरतमंदों को नया जीवन दे सकता है और इससे बड़ा कोई दान नहीं है।

फुटसल प्रतियोगिता में गूंजा नशे से दूरी है जरूरी का संदेश

नवभारत, जबलपुर। मध्यप्रदेश पुलिस के 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' विशेष जनजागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को थाना जीआरपी जबलपुर ने सेंट ज़ेवियर्स हाई स्कूल, गुप्तेश्वर में आयोजित रायन गोल्डन जुबली इंटर स्कूल फ़ुटसल चैम्पियनशिप 2026 के दौरान नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। प्रतियोगिता में स्टेम फील्ड इंटरनेशनल स्कूल, सेंट थॉमस हायर सेकेंडरी स्कूल, रयान इंटरनेशनल स्कूल सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और खेल प्रशिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जीआरपी टीम ने विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और भविष्य को प्रभावित करता है तथा अपराध और दुर्घटनाओं को भी बढ़ावा देता है। विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने और अपने परिवार, मित्रों व समाज को भी नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। सभी उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षकों को 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई।

समाज के निर्माण का संकल्प लिया

कार्यक्रम में सेंट जेवियर्स हाई स्कूल की हेडमिस्ट्रेस शुभ्रा चक्रवर्ती सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। वहीं थाना प्रभारी जीआरपी संजीवनी राजपूत, प्रधान आरक्षक रविकांत रजक तथा आरक्षक परशुराम, उमेश और रंकू ने अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेते हुए अभियान का समर्थन किया।

थल सैनिक प्रक्षेपण कैंप में ग्रुप कमांडर ने परखा कैडेट्स का कौशल

नवभारत, जबलपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के तत्वावधान में आयोजित 'थल सैनिक प्रक्षेपण कैंप 2026' में एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर रितेश बहल ने कैंप सशस्त्र सेना वाहिनी का औपचारिक निरीक्षण किया। कैंप आगमन पर कैडेट्स द्वारा उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया, जिसके बाद कैंप कमांडेंट कर्नल सिद्धार्थ सुर्वे ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण देकर ट्रेनिंग शेड्यूल और आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारियों से अवगत कराया। कैंप के संचालन में डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल अमृता सिंह की देखरेख में प्रशासनिक व्यवस्थाएं चाक-चौबंद नजर आईं, जबकि एसोसिएट एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. प्रदीप दुबे के समन्वय में कैडेट्स का अनुशासन उच्च स्तर पर दिखा। इस दौरान कैडेट्स ने बाधा दौड़, मानचित्र अध्ययन, फायरिंग प्रतियोगिता और स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जैसी कठिन गतिविधियों में अपनी फुर्ती और अचूक निशानेबाजी का परिचय दिया।

कठिन गतिविधियों में दिखा कैडेट्स का अनुशासन

निरीक्षण के बाद कैडेट्स को संबोधित करते हुए ब्रिगेडियर रितेश बहल ने कहा कि थल सैनिक कैंप एनसीसी के सबसे कठिन और गौरवशाली कैंपों में से एक है, जिसकी सीख जीवन भर काम आएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि कर्नल सुर्वे और उनकी टीम के मार्गदर्शन में यह दस्ता राष्ट्रीय स्तर पर ग्रुप का नाम रोशन करेगा। इस सफल आयोजन में लेफ्टिनेंट भानुवंशी डिग्री कॉलेज शहपुरा के साथ सीनियर जेसीओ सूबेदार रामाश्रय सिंह, सूबेदार दिलीप कुमार तिवारी, ट्रेनिंग जेसीओ नायब सूबेदार एम के यादव, गीते गणेश, हवलदार सपन कुमार, हवलदार अमरीक सिंह, हवलदार हेसंत कुमार, हवलदार रनसुर अमोल, नायक धर्मेंद्र कुमार और जीसीआई वंदना का सराहनीय योगदान रहा।

सेंट थॉमस स्कूल में छात्रों ने लिया नशामुक्त भारत का संकल्प

नवभारत, जबलपुर। मध्यप्रदेश पुलिस के 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' जनजागरूकता अभियान के तहत उप पुलिस अधीक्षक (रेल) अंकिता सूल्या ने सेंट थॉमस हायर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों और शिक्षकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और भविष्य पर गंभीर असर डालता है। विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने और अपने मित्रों व परिवार को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया।

प्रदान की गई जानकारी

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों से होने वाली शारीरिक, मानसिक और सामाजिक हानियों की जानकारी दी गई तथा स्वस्थ जीवनशैली, खेलकूद और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का संदेश दिया गया। अंत में सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने नशामुक्त समाज के निर्माण की सामूहिक शपथ ली। विद्यालय प्रबंधन ने इस जनजागरूकता अभियान की सराहना करते हुए इसे युवाओं को सामाजिक बुराइयों से दूर रखने की दिशा में प्रभावी पहल बताया।

सावन संग्रांद पर गुरुद्वारों में शबद कीर्तन और लंगर

नवभारत, जबलपुर। सावन मास की पवित्र संग्रांद के अवसर पर गुरुवार को नगर के गुरुद्वारों में दिनभर शबद कीर्तन प्रवाह हुआ, जहां विशेष दीवान सजाए गए और गुरु का लंगर वितरित किया गया। इस धार्मिक उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु माथा टेकने पहुंचे, जिससे पूरा परिसर गुरुघर के जयकारों और भक्तिमय माहौल से सराबोर नजर आया। गुरुद्वारा गोरखपुर में रागी जत्था भाई बलजीत सिंह और उनके साथियों ने गुरु नानक देव की पवित्र वाणी का कीर्तन कर साध संगत को निहाल किया। इस धार्मिक आयोजन

में प्रधान रजिंदर सिंह छावड़ा ने शॉल व सिरोपा भेंट कर डॉ. अलकेश खत्री, डॉ. आर. के. साहू और सक्रिय सेवादारों का सम्मान किया। इस दौरान मनप्रीत सिंह आहूजा ने मंच संचालन किया और मुख्य ग्रंथी ज्ञानी हरजीत सिंह खालसा ने मुखवाक पढ़ा। धार्मिक समागम की इसी कड़ी में शुक्रवार को सुबह 7:30 बजे व रात 8 बजे बड़ू साहिब हिमाचल प्रदेश का अनहद वाणी जत्था और 19 तारीख को रात 8 बजे हरिमंदिर साहिब अमृतसर पंजाब के हुजूरी रागी भाई सिमरप्रीत सिंह का जत्था कीर्तन पेश करेगा, जिसके उपरांत लंगर किया जाएगा।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन कल

नवभारत, जबलपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का एक दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन शनिवार, 18 जुलाई 2026 को सुबह 10 बजे से दमोहनाका स्थित गोपाल सदन में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव, प्रदेश महासचिव सुनील श्रीवास्तव और युवा जिलाध्यक्ष विवेक खरे ने बताया कि जबलपुर के इतिहास में पहली बार हो रहे इस विराट अधिवेशन का उद्देश्य कायस्थ समाज की मजबूती, प्रगति और आपसी सामंजस्य को बढ़ावा देना है। इस

गरिमामयी आयोजन में शामिल होने के लिए देश और प्रदेश भर से समाज के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

नगर व प्रदेश की विभूतियों का होगा सम्मान

इस अवसर पर शिक्षा, कला, चिकित्सा, अध्यात्म और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली नगर व प्रदेश की लगभग 35 विभूतियों का अभिनंदन किया जाएगा। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोधकांत सहाय, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महामंत्री विश्वविमोहन कुलश्रेष्ठ, वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल खरे, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष हिमांशु श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष शिप्रा कुलश्रेष्ठ और वरिष्ठ अधिवक्ता संजय वर्मा उपस्थित रहेंगे। इससे पूर्व हुई संगठनात्मक वार्ता में संतोष श्रीवास्तव, शिखा श्रीवास्तव, सुधीर खरे, बच्चन श्रीवास्तव, प्रतुल श्रीवास्तव, भानू श्रीवास्तव, डॉ. संदीप माथुर, नवनीत श्रीवास्तव, नीना श्रीवास्तव और हिमांशु खरे सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

धर्म | श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से की पूजा-अर्चना, सुख-समृद्धि की कामना

गुप्त नवरात्रि के दूसरे दिन मां तारा की आराधना, मंदिरों में गूंजे जयकारे

नवभारत, जबलपुर। आषाढ़ गुप्त नवरात्रि के दूसरे दिन मंगलवार को देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मां भगवती की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने मां को पुष्प, फल, चुनरी और प्रसाद अर्पित कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की।

गुप्त नवरात्रि में साधना और अनुष्ठान का विशेष महत्व

गुप्त नवरात्रि को देवी साधना और आध्यात्मिक उपासना के लिए विशेष माना जाता है। इस दौरान साधक और श्रद्धालु विभिन्न स्वरूपों में देवी की आराधना करते

हैं। दूसरे दिन मां तारा की पूजा का विशेष महत्व बताया जाता है। भक्तों ने मंदिरों में मंत्र जाप, आरती और पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया।

मंदिरों में सुबह से शाम तक पहुंचते रहे भक्त

नवरात्रि के चलते शहर के देवी मंदिरों में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की प्रार्थना की। कई भक्तों ने नवरात्रि के दौरान व्रत रखकर नियमित पूजा और साधना का संकल्प भी लिया।

नौ दिनों तक चलेगी देवी आराधना

गुप्त नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा की जाती है। श्रद्धालु इन दिनों में व्रत, पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। मान्यता है कि गुप्त नवरात्रि में की गई साधना और आराधना से भक्तों को आध्यात्मिक शक्ति और मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

इनका कहना है

आज मैंने मां के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और सभी की खुशहाली की कामना की है।

अंजना शुक्ला

गुप्त नवरात्रि के दूसरे दिन मां तारा की आराधना की। हमने पूजा कर मां को पुष्प और प्रसाद अर्पित किया।

प्रीति

पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए पौधरोपण

नवभारत, जबलपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 98वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार, 16 जुलाई को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर में निदेशक डॉ. जे. एस. मिश्रा के नेतृत्व में एक वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में निदेशालय के सभी कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर के विकास तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। यह आयोजन आईसीएआर की पर्यावरण-अनुकूल एवं सतत विकास की प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा, जिसमें लगाए गए पौधों का चयन स्थानीय जलवायु एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों को

ध्यान में रखते हुए किया गया, जिससे भविष्य में ये पौधे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जैव विविधता के संवर्धन एवं हरित परिसर के विकास में सहायक सिद्ध होंगे।

निदेशालय के कर्मचारियों ने लिया संकल्प

कार्यक्रम के दौरान पौधों के संरक्षण एवं नियमित रखरखाव का संकल्प भी लिया गया, जिससे यह वृक्षारोपण कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ, बल्कि इसने प्रकृति के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व एवं सतत विकास के संदेश को भी प्रभावी रूप से प्रसारित किया। इस अवसर पर निदेशालय द्वारा भविष्य में भी ऐसे जन-जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किए जाने का संकल्प व्यक्त किया गया।